भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

31.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1506 का उत्तर

सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म की अपर्याप्त संख्या

1506. श्री इमरान मसूद:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्मों की अपर्याप्त संख्या के कारण लोगों को हो रही समस्याओं की जानकारी है;

(ख) क्या क्या यह सच है कि स्टेशनों पर प्लेटफार्मों की अपर्याप्त संख्या के कारण लंबी दूरी की रेलगाड़ियों को बाहरी सिग्नलों पर लंबी अवधि तक लगातार रोके रखा जाता है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उक्त रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्मों की संख्या बढ़ाने का कोई प्रस्ताव है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म की अपर्याप्त संख्या के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री इमरान मसूद के अतारांकित प्रश्न सं. 1506 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण

क) से (ग): वर्तमान में, इस स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु 6 प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं, जो यात्री यातायात के मौजूदा स्तर हेतु पर्याप्त हैं।

(घ) और (ङ): भारतीय रेल में स्टेशनों पर प्लेटफॉर्मों सहित यात्री सुविधाओं में सुधार करना निरंतर चलने वाली सतत् प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को आवश्यकता, व्यवहार्यता, पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता आदि के अनुसार किया जाता है।

रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए रेलवे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्रों, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, लिफ्टों/एस्केलेटरों में, यथा आवश्यक सुधार, प्लेटफॉर्म सर्फेसिंग और प्लेटफॉर्म पर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, भूदृश्य निर्माण आदि जैसी रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि के दौरान आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार रेलवे स्टेशन भवन में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था और दीर्घावधि रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

सहारनपुर रेलवे स्टेशन सहित इस योजना के अंतर्गत अब तक 1324 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। सहारनपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए निविदाएं प्रदान कर दी गई हैं और कार्य शुरू कर दिया है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति के कार्य हैं जिसमें यात्रियों और गाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक मंजूरियों जैसे अग्निशमन संबंधी मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति आदि की आवश्यकता होती है। ब्राउन फील्ड से संबंधित चुनौतियों जैसे जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण (जिनमें जलापूर्ति/सीवेज लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबलें, गैस पाइप लाइनें, बिजली/सिगनल केबलें आदि शामिल है), अतिलंघन, यात्रियों की आवाजाही में बाधा पहुंचाए बिना गाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज विद्युत लाइनों के निकट किए गए कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रगति प्रभावित होती है और ये सभी कारक समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः इस स्तर पर कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****